

Padma Shri



SMT. SILBI PASSAH

Smt. Silbi Passah, a resident of Riatsamthiah, Shillong, Meghalaya, is a retired Hindi teacher, a resource person of Sarva Shiksha Abhiyan (SSA) and Directorate of Educational Research & Training (DERT). She is a renowned artist and at the same time assisting SCERT, DERT, in connection with training the teachers in art and craft, acting, dancing and singing. Her domain is socially useful, productive work (SUPW) and Music. She also has in Institute of Khasi Jaintia Folk songs and Traditional Musical Instruments.

2. Born on the 3rd March, 1952, Smt. Passah completed her Bachelor in Hindi (Kovid) and joined service as a hindi teacher at Khasi Jaintia National Government Upper Primary School, Mawkhar Shillong in 1982. To promote Hindi, she also took part in a Radio Programme, “Hindi Lesson”, broadcasted by All India Radio Shillong (AIRS). Thus in 2005, she was deputed to Central Institute of Hindi (Agra) for preparation of Hindi- Khasi Contrastive Grammar.

3. Smt. Passah has a keen interest in promoting music and culture in the state. Through the Department of Art and Culture in collaboration with (NEZCC) North East Zone Cultural Centre, she and her troupe have had opportunities to participate in different octave festivals organized by various zones of the country like South Zone Cultural Centre, South West Zone Cultural Centre, West Zone Cultural Centre etc. It is through these platforms she tried her level best to showcase the rich cultural heritage of Meghalaya. She is the first Khasi women to produce the Hindi Skit titled “Hindi Bhasha Hamari Rashtra Bhasha Hai” telecast in the Doordarshan Kendra Shillong. Recently her troupe has also presented traditional dance form at the “Adi Shaurya Parv Parakram ka” 2023.

4. In recognition of Smt. Passah's sincere service, devotion and dedication, she received various awards in various fields. She was awarded the District Certificate of Honour by the State Government 2001, Seng Khasi, Seng Kmie Honorary Award (2008); State award (2005); People's Choice Award NETV (2005); National Award for teachers (2006); Jeebon Roy Award (2008); Khasi Jaintia Welfare Award (2009); International Gold Star Award (Bangkok 2010); Seng Samla Seng Kmie Honorary Award (2011); Lady of Hope (Cape Town South Africa) (2012); U Tirot Sing Award for Art and Literature (Meghalaya 2014); Youth Affair Award (2019); 4th Northeast Unsung Heroes red carpet social award (2021) and Sangeet Natak Academic Award (2021).

पद्म श्री



श्रीमती सिलबी पासाह

श्रीमती सिलबी पासाह मेघालय के शिलांग के रियात्समथियाह की रहने वाली एक सेवानिवृत्त हिंदी शिक्षिका, सर्वशिक्षा अभियान (एसएसए) और डीईआरटी की रिसोर्स पर्सन, एक प्रख्यात कलाकार हैं तथा साथ ही शिक्षकों के कला, शिल्प, अभिनय, नृत्य और गायन के प्रशिक्षण के लिए एससीईआरटी, डीईआरटी की सहायता करने वाली एक प्रख्यात कलाकार हैं। उनका मुख्य कार्यक्षेत्र सामाजिक रूप से उपयोगी उत्पादक कार्य (एसयूपीडब्ल्यू) और संगीत है। उन्होंने खासी जैन्तिया लोक गीत और पारंपरिक संगीत वाद्ययंत्र संस्थान में भी काम किया है।

2. 3 मार्च, 1952 को जन्मी, श्रीमती पासाह ने हिंदी (कोविद) में स्नातक की पढ़ाई पूरी की और 1982 में खासी जैन्तिया नेशनल गवर्नमेंट अपर प्राइमरी स्कूल, मावखर, शिलांग में हिंदी शिक्षिका के रूप में सेवा शुरू की। उन्होंने, हिंदी को बढ़ावा देने के लिए आकाशवाणी, शिलांग द्वारा प्रसारित रेडियो कार्यक्रम, "हिंदी पाठ" में भी भाग लिया। इस प्रकार, 2005 में, उन्हें हिंदी-खासी कंट्रास्टिव व्याकरण की तैयारी के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान (आगरा) में प्रतिनियुक्त किया गया।

3. श्रीमती पासाह को अपने राज्य के संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने में गहरी दिलचस्पी रही है। उत्तर-पूर्व अंचल सांस्कृतिक केंद्र के साथ मिलकर कला और संस्कृति विभाग के माध्यम से, उन्हें और उनकी मंडली को दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, दक्षिण पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र आदि जैसे देश के विभिन्न क्षेत्रों द्वारा आयोजित विभिन्न ओक्टव उत्सवों में भाग लेने का अवसर मिला है। इन विशिष्ट मंचों के माध्यम से उन्होंने मेघालय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने का सफल प्रयास किया। वह दूरदर्शन केंद्र, शिलांग में प्रसारित होने वाली हिंदी नाटिका "हिंदी भाषा हमारी राष्ट्र भाषा है" का निर्माण करने वाली पहली खासी महिला हैं। हाल ही में, उनकी मंडली ने "आदि शौर्य-पर्व पराक्रम का", 2023 में भी पारंपरिक नृत्य प्रस्तुति दी।

4. श्रीमती पासाह की उल्लेखनीय सेवा, निष्ठा और समर्पण के सम्मानस्वरूप उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अनेक पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। उन्हें राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2001 में डिस्ट्रिक्ट सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर, सेंग खासी, सेंग किमी ऑनरेरी अवॉर्ड (2008), स्टेट अवॉर्ड (2005); पीपुल्स च्वाइस अवार्ड एनईटीवी (2005); राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार (2006); जीबॉन रॉय पुरस्कार (2008); खासी जैन्तिया कल्याण पुरस्कार (2009); इंटरनेशनल गोल्ड स्टार अवार्ड (बैंकॉक 2010); सेंग समला सेंग किमी ऑनरेरी अवॉर्ड (2011); लेडी ऑफ होप (केप टाउन दक्षिण अफ्रीका) (2012); कला और साहित्य के लिए यू तिरोट सिंग पुरस्कार (मेघालय 2014); यूथ अफेयर अवार्ड (2019); चौथा नॉर्थ ईस्ट अनसंग हीरोज रेड कार्पेट सोशल अवार्ड (2021) और संगीत नाटक अकादमिक अवार्ड (2021) से सम्मानित किया गया है।